

मेसोफोटिक प्रवाल पारस्थितिकी तंत्र के समक्ष खतरा

प्रलमिस के लयि:

[कोरल ब्लीचिंग](#), [ला नीना](#), [अल नीनो](#), [लाल सागर](#), [हृदि महासागर](#), [कारबन पृथक्करण](#), [बढ़ता समुद्री तापमान](#), [ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन](#), [नवीकरणीय ऊर्जा](#), [ग्लोबल वार्मिंग](#) ।

मेन्स के लयि:

प्रवाल वरिजन का प्रभाव, प्रवाल वरिजन को प्रभावति करने वाले पर्यावरणीय कारक, जलवायु परिवर्तन और समुद्री पारस्थितिकी तंत्र पर इसका प्रभाव ।

[स्रोत: SD](#)

चर्चा में क्यों?

मैक्स प्लैक इंस्टीट्यूट फॉर केमिस्ट्री के शोधकर्त्ताओं ने पाया है किपूर्वी उष्णकटबिंधीय प्रशांत क्षेत्र में मेसोफोटिक प्रवाल पारस्थितिकी तंत्र के समक्ष दोहरा खतरा (नीचे से सतही ठंडे जल के संपर्क के साथ ऊपर के गर्म जल से वरिजन होना) है ।

- साइंस ऑफ द टोटल एनवायरनमेंट में प्रकाशति इस अध्ययन में इस प्रवाल पारस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य एवं कार्यक्षमता के संदर्भ में बढ़ते खतरों पर प्रकाश डाला गया है ।

मेसोफोटिक प्रवाल पारस्थितिकी तंत्र क्या हैं?

- **परचिय:**
 - मेसोफोटिक प्रवाल पारस्थितिकी तंत्र उष्णकटबिंधीय और उपोष्णकटबिंधीय क्षेत्रों में 100 से 490 फीट की गहराई पर मलिते हैं ।
 - इन पारस्थितिकी तंत्रों के प्रमुख जीवों में [प्रवाल](#), [स्पंज](#) और [शैवाल](#) शामिल हैं, जो वभिन्न जीवों के साथ अंतरक्रिया करते हैं ।
- **महत्त्व:**
 - ये पारस्थितिकी तंत्र प्रवाल भित्तियों के विकास में सहायक होने के साथ प्रजनन और भोजन के लयि कुछ मछली प्रजातियों को आवास प्रदान कर सकते हैं ।
 - मेसोफोटिक प्रवालों में वशिष प्रतरिक्षा क्षमता वाले जीव होते हैं, जनिसे चकित्सीय उपयोग हेतु प्राकृतिक उत्पादों का विकास हो सकता है ।
- **सीमति शोध:**
 - तकनीकी बाधाओं के कारण इन पारस्थितिकी प्रणालियों पर सीमति शोध कयि जा सका है क्योंकि ये पारंपरिक स्कूबा डाइविंग के संदर्भ में बहुत गहरे हैं और गहन समुद्र के उपकरणों के संदर्भ में बहुत उथले हैं ।
 - हाल की तकनीकी प्रगति ने अब इन पारस्थितिकी तंत्रों का अध्ययन करना संभव बना दिया है ।

प्रवाल भित्ति

Coral Reef



Drishti IAS

प्रवाल

- जल के नीचे पाई जाने वाली वृहद् संरचनाएँ- समुद्री अकशेरुकीय 'प्रवाल' के कंकालों से निर्मित व्यक्तिगत रूप से पॉलीप कहलाती हैं।
- शैवाल जूजैन्थेले के साथ सहजीवी संबंध (मूंगों के सुंदर रंगों के लिये जिम्मेदार)
- समुद्री जैव विविधता का 25% से अधिक

हार्ड कोरल बनाम सॉफ्ट कोरल

हार्ड कोरल

कठोर एकसोस्केलेटन जो कि कैल्शियम कार्बोनेट से बनता है- भित्ति के निर्माण के लिये जिम्मेदार

सॉफ्ट कोरल

भित्ति का निर्माण नहीं करता है

ग्रेट बैरियर रीफ (ऑस्ट्रेलिया)

- दुनिया में सबसे बड़ा कोरल रीफ
- विश्व धरोहर स्थल (1981)
- व्यापक प्रवाल विरंजन



भारत में प्रवाल



- कच्छ की खाड़ी • मन्नार की खाड़ी
- अंडमान और निकोबार
- लक्षद्वीप द्वीप समूह
- मालवन के क्षेत्रों में मौजूद

महत्त्व

- प्रवाल भित्तियाँ तूफान/क्षरण से तटरेखाओं की रक्षा करती हैं • भोजन/दवाओं का स्रोत
- रोजगार प्रदान करती हैं, मनोरंजन के लिये भी उपयोगी हैं।

प्रवाल विरंजन (कोरल ब्लिचिंग)

- प्रवाल पर तनाव बढ़ता है, अपने ऊतकों में निवास करने वाले सहजीवी शैवाल जूजैन्थेले को निष्कासित कर देते हैं और प्रवाल सफेद रंग में परिवर्तित हो जाते हैं।
- विरंजित प्रवाल- मृत नहीं लेकिन मुखमरी/बीमारी से ग्रस्त

जलवायु परिवर्तन से मेसोफोटिक प्रवाल भित्तियों पर क्या प्रभाव होंगे?

- ला नीना घटनाओं की तीव्रता और आवृत्ति में वृद्धि: हाल के शोध से पता चलता है कि निकट भविष्य में ला नीना घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ने का अनुमान है।
- जलवायु पैटर्न में इस परिवर्तन का समुद्री पारस्थितिकी तंत्र पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ सकता है।
- क्रमिक घटनाएँ: जलवायु संबंधी भविष्यवाणी से पता चलता है कि चरम अल नीनो घटनाओं के बाद चरम ला नीना घटनाएँ तेज़ी से बढ़ेंगी। इससे पर्यावरण की स्थितियों में तेज़ी से बदलाव होने से प्रवाल स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।
- ठंडे जल से संपर्क: यदि ये पूर्वानुमान सही साबित होते हैं तो पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत क्षेत्र में गहन और मध्यम गहराई वाली प्रवाल भित्तियों को सतही गर्म तापीय स्ट्रेस का अनुभव करने के तुरंत बाद असामान्य रूप से ठंडे जल के संपर्क में आने जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।
- इस दोहरे प्रभाव से प्रवाल पारस्थितिकी तंत्र पर तनाव बढ़ सकता है।
- शीत-जल वरिंजन के दीर्घकालिक प्रभाव: शीत-जल वरिंजन चिंताजनक है क्योंकि इससे पता चलता है कि गहन प्रवाल भित्तियों पर ऐसी घटनाओं के प्रभाव कृष्णिक नहीं हो सकते हैं।
 - देखे गए वरिंजन की गंभीरता और उससे संबंधित प्रवाल मृत्यु दर को देखते हुए, ये ठंडे जल की घटनाएँ लंबी अवधि में मेसोफोटिक प्रवाल

पारस्थितिकी प्रणालियों के **स्वास्थ्य और कार्यक्षमता को व्यापक रूप से बाधित** कर सकती हैं।

- कोरल ब्लीचिंग का व्यापक संदर्भ: **लाल सागर** और **इदि महासागर** सहित अन्य क्षेत्रों में **मेसोफोटिक रीफ को प्रभावित करने वाले गरम जल से वरिजन** की इसी तरह की रिपोर्टों से चर्चा और भी बढ़ जाती है। इससे प्रदूषण होता है कि जलवायु परिवर्तन के कारण विश्व भर में कोरल पारस्थितिकी तंत्र तापमान-संबंधी तनावों के प्रताधिक संवेदनशील हो सकते हैं।

प्रवाल वरिजन के क्या नहितार्थ हैं?

- **जैवविविधता का नुकसान:** प्रवाल भित्तियों विभिन्न **समुद्री प्रजातियों का आवास स्थल हैं**। वरिजन से इन पारस्थितिकी प्रणालियों को नुकसान हो सकता है, जिससे आश्रय एवं भोजन के लिये प्रवाल पर निर्भर प्रजातियों की गरिवट होने के साथ इनकी वलुपता हो सकती है।
- **आर्थिक प्रभाव:** प्रवाल भित्तियों **मत्स्यन, पर्यटन और तटीय संरक्षण** में सहायक होती हैं। वरिजन से मछलियों की संख्या कम हो जाती है और प्रवाल भित्तियों को नुकसान पहुँचता है, जिससे पर्यटन एवं मत्स्य पालन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- **तटीय कषरण:** प्रवाल भित्तियों **प्राकृतिक अवरोधों के रूप में कार्य करती हैं जो तटीय क्षेत्रों को** तूफानी लहरों और कषरण से बचाती हैं।
- **जलवायु परिवर्तन में भूमिका:** प्रवाल भित्तियों **कार्बन अवशोषण** में प्रमुख भूमिका निभाती हैं। जब इनमें वरिजन होता है तो ये **कार्बन डाइऑक्साइड को** अवशोषित नहीं कर पाती हैं जिससे जलवायु परिवर्तन तीव्र हो जाता है।
- **प्राकृतिक औषधियों में कमी:** प्रवाल भित्तियों **औषधियों के विकास में उपयोग किये जाने वाले यौगिकों का स्रोत हैं**। प्रवाल भित्तियों के नष्ट होने से नए औषधीय यौगिकों की खोज के अवसर कम हो जाते हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिये लाभकारी हो सकते हैं।

प्रवाल वरिजन को रोकने के विभिन्न तरीके क्या हैं?

- **ग्लोबल वार्मिंग को कम करना:** प्रवाल वरिजन का प्राथमिक कारण **जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्री तापमान का बढ़ना है**।
 - नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाकर **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन** को कम करना, ऊर्जा दक्षता बढ़ाना, तथा सतत् परिवहन को बढ़ावा देना, **वैश्विक तापमान वृद्धि** को धीमा करने तथा प्रवाल भित्तियों की रक्षा करने में सहायक हो सकता है।
- **प्रवाल भित्तियों को पुनरस्थापना करना:** सक्रिय पुनरस्थापना कार्यक्रम, जैसे **प्रवाल बागवानी और क्षतगिरस्त क्षेत्रों में स्वस्थ प्रवाल को प्रत्यारोपित करना**, क्षतगिरस्त भित्तियों को पुनर्जीवित करने में मदद कर सकते हैं।
 - इन पहलों में **प्रवाल प्रजातियों का प्रजनन भी शामिल है** जो बढ़ते तापमान का बेहतर ढंग से सामना कर सकें।
- **समुद्री संरक्षित क्षेत्रों (MPA) में सुधार:** यदि MPA का विस्तार और उसका प्रबंधन अच्छी तरह से किया जाए तो कोरल रीफ सुरक्षित वातावरण में जीवित रह सकते हैं। MPA कोरल पारस्थितिकी तंत्र को वरिजन घटनाओं तथा उन्हें मानवीय गतिविधियों से बचाने को संक्षम बनाते हैं।
 - उदाहरण के लिये **अत्यधिक और हानिकारक मत्स्य संग्रहण प्रवाल भित्तियों को नुकसान पहुँचाती हैं। समुद्री संरक्षित क्षेत्रों** जैसे संधारणीय तरीके प्रवाल पारस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा तथा रीफ की बहाली में सहायता कर सकते हैं।
- **वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना:** प्रवाल भित्तियों को बेहतर ढंग से समझने के लिये अनुसंधान में निवेश करना तथा प्रवाल की ऐसी कस्मों का विकास करना, जो गरम पानी में भी जीवित रह सकें।
 - वैज्ञानिक उष्मा प्रतिरोधी प्रवाल तथा उनकी वृद्धि को बढ़ावा देने के तरीकों का अध्ययन कर रहे हैं।
- **पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देना:** हानिकारक पर्यटन गतिविधियों जैसे क्रीफ पर नावों को खड़ा करना, प्रवाल को छूना या उन पर चलना सीमित करना इन पारस्थितिकी तंत्रों को संरक्षित करने में मदद कर सकता है। सतत् पर्यटन दशा-निर्देश कोरल रीफ पर मानवीय प्रभाव को कम कर सकते हैं।

दृष्ट मुख्य परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न: प्रवाल वरिजन के कारणों और प्रभावों पर चर्चा कीजिये तथा इसके प्रभाव को कम करने और प्रवाल संरक्षण को बढ़ावा देने के उपाय सुझाएँ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

????????:

प्रश्न. नमिनलखित कथनों पर वचिर कीजिये: (2018)

1. विश्व की सर्वाधिक प्रवाल भित्तियाँ उष्णकटबिंधीय सागर जलों में मलित हैं।
2. विश्व की एक त्हाई से अधिक प्रवाल भित्तियाँ ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और फलिपींस के राज्य-क्षेत्रों में स्थित हैं।
3. उष्णकटबिंधीय वर्षावनों की अपेक्षा, प्रवाल भित्तियाँ कहीं अधिक संख्या में जंतु संघों का परपोषण करती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3

- (c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

प्रश्न. नमिनलखिति में से कनिमें प्रवाल भत्तियाँ पाई जाती हैं? (2014)

1. अंडमान और नोकोबार द्वीप समूह
2. कच्छ की खाड़ी
3. मन्नार की खाड़ी
4. सुंदरबन

नीचे दिये गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 2 और 4
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

??????:

प्रश्न. उदाहरण के साथ प्रवाल जीवन प्रणाली पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव का आकलन कीजिये। (2019)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/threat-to-mesophotic-coral-ecosystems>

